सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 139 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 24 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू का नामांकन... 8 | लल्लू को कांग्रेस ने दिया बड़ा... 3 | संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर... 7

हम बाहरी दुनिया में कभी शांति नहीं पा सकते हैं, जब तक की हम अन्दर से शांत न हों।

-दलाई लामा

कमिश्नर की चाहत, उनके सरकारी बंगले को सजाने में खर्च हो एक करोड़

» एलडीए में चहेते ठेकेदारों को संरक्षण देने के भी लगते रहे हैं आरोप

» पहले भी विवादों में रहे हैं कमिश्नर रंजन कुमार

चीफ इंजीनियर ने लगायी आपत्ति तो हटवा दिया कमिश्नर ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रियों, विधायकों और अफसरों को फिजूलखर्ची न करने की हिदायत दे रहे हैं वहीं दूसरी ओर लखनऊ कमिश्नर और एलडीए अध्यक्ष रंजन कुमार ने अपने सरकारी आवास को सजाने-संवारने के लिए एलडीए की अवस्थापना निधि प्रस्ताव में एक करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करने की मौखिक स्वीकृति दी है। यही नहीं वे न केवल एलडीए की बोर्ड और सामान्य बैठकों में जबरन दखल देते हैं बल्कि अपने चहेते ठेकेदारों को संरक्षण भी दे रहे हैं। जिस ठेकेदार को दर्जनों नोटिस मिल चुके हैं उसे कमिश्नर ने मनमानी तरीके से बेहतर होने का नंबर तक दे दिया। इसके पहले भी रंजन कुमार पर गंभीर आरोप लगते रहे हैं। सवाल यह है कि क्या सरकार इस मामले की जांच कराकर कार्रवाई करेगी या मामले को ठंडे बस्ते में डाल देगी।

एलडीए की एक के बाद एक कारगुजारियों और घपलों से सरकार की लगातार किरकिरी हो रही है। ताजा मामला कमिश्नर रंजन कुमार से जुड़ा है। कमिश्नर रंजन कुमार ने एलडीए की अवस्थापना निधि से राज्य सम्पत्ति द्वारा खुद के लिए आवंटित बंगले को सजाने-संवारने के लिए एक करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करने की मौखिक स्वीकृति दी थी। एलडीए के चीफ इंजीनियर (सिविल) इंदुशेखर सिंह ने इस प्रस्ताव पर 21 जून को आपत्ति लगा दी। इसके अगले दिन ही एलडीए की बैठक के बाद चीफ इंजीनियर इंदुशेखर सिंह को हटा दिया गया। इसकी सूचना सरकार तक पहुंच गयी है। इससे हड़कंप मच गया है। यही नहीं कमिश्नर पर एलडीए की बैठकों में जबरन दखल देने और अपने चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के भी आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने ऐसे ठेकेदारों के कामों को बेहतर नंबर दिए जिन्हें दर्जनों नोटिस मिले चुके हैं। इसके कारण अन्य अधिकारी भी दबाव में आकर दागी ठेकेदारों को मनमानी नंबर देते हैं। अब यह मामला सीएम योगी आदित्यनाथ तक पहुंच चुका है। गौरतलब है कि एलडीए के चीफ इंजीनियर से मनमाने ढंग से काम करवाने को लेकर विवादों में आए रंजन कुमार पर पहले भी गंभीर आरोप लगते रहे हैं।

क्या कहना है कमिश्नर का

इस मामले में कमिश्नर रंजन कुमार ने कहा कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है। सभी कमिश्नरी में कैंप ऑफिस है लेकिन लखनऊ में नहीं है। संभवतः इसी कैंप कार्यालय की बात है। इसमें कोई सजावट नहीं, जरूरी उपकरण के लिए एलडीए ने खुद प्रस्ताव बनाया है।

रंजन कुमार पर महिला अफसर ने लगाए थे गंभीर आरोप

जिस समय रंजन कुमार गोरखपुर के डीएम थे उस दौरान उनकी ही जूनियर महिला आईएएस अफसर ने उन पर गंभीर आरोप लगाए थे। महिला अफसर की शिकायत के मुताबिक, डीएम रंजन कुमार उन्हें रात के दो बजे फाइल देखने के बहाने आवास पर बुलाते थे। इसके बाद उनसे घर पर खाना बनाने को कहते थे। महिला अफसर की शिकायत के मुताबिक, उनसे डीएम कहते थे कि तुम्हें शहर में तैनाती इसलिए दी गई है ताकि तुम्हारा चेहरा मेरे सामने रहे। रंजन कुमार महिला अफसर को एक-दो बार फिल्म दिखाने भी ले गए थे।

तत्कालीन प्रमुख सचिव नियुक्ति से मिली थी पीड़िता

तत्कालीन ट्रेनी आईएएस अफसर व वर्तमान में एक जिले की कलेक्टर अपने पति के साथ प्रमुख सचिव नियुक्ति से भी मिलीं थी। हालांकि बाहर निकलने पर उन्होंने कोई भी बात बताने से इनकार कर दिया था। यही नहीं मंडल के एक सीनियर आईएएस से भी पीड़िता ने शिकायत की थी। सूत्रों के मुताबिक, पीड़िता ने मंडल के सीनियर अफसर से शिकायत की थी। उस अधिकारी ने माना था कि डीएम का रवैया ठीक नहीं था और कहा था कि पीड़िता उनकी बेटी की तरह है।

ऐसे बनाया गया था प्रोजेक्ट

प्रोजेक्ट के मुताबिक कमिश्नर के बटलर पैलेस के बंगला नंबर ए-3 का रंग रोगन होना है। यह राज्य संपत्ति विभाग का है। एलडीए के एक्सईएन ओपी मिश्रा, एई विपिन त्रिपाठी ने इसे संवारने के लिए 81 लाख 79 हजार 306 रुपये का इस्टीमेट तैयार किया था। बिजली, बाथरूम के कामों के लिए करीब 20 लाख का प्रोजेक्ट अलग से तैयार किया गया था।

संचारी रोगों पर वार के लिए योगी सरकार का माइक्रो प्लान तैयार

» प्रदेश में एक जुलाई से शुरू होगा संचारी रोग अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने संचारी रोगों पर वार करने के लिए अपनी कमर कस ली है, जिसके लिए प्रदेश भर में एक बार फिर से विशेष संचारी रोग अभियान की शुरूआत एक जुलाई से की जाएगी। इस अभियान के लिए विभागों की ओर से माइक्रो प्लान तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संचारी रोग अभियान से जुड़ी एक उच्चस्तरीय बैठक में इस अभियान के सफल संचालन से जुड़े निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और अन्य जैसे वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित स्वच्छता और फॉगिंग अभियान को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हाई रिस्क क्षेत्रों व दस्तक अभियान के दौरान घर-घर टीमों के द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर चिन्हित क्षेत्रों में फॉगिंग की जाए। प्रदेश में सघन वेक्टर सर्विलांस के साथ ही रोगियों व लक्षणयुक्त व्यक्तियों की त्वरित जांच और आइसोलेशन की व्यवस्था करें। सभी जिलों में रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन कर उनको प्रशिक्षण दें। कम्युनिटी हेल्थ सर्विसेज को त्वरित आउटब्रेक रिस्पॉन्स के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। क्षय रोग लक्षण युक्त व्यक्तियों के इलाज की व्यवस्था करें। ग्रामीण क्षेत्रों ने आबादी के बीच वाले तालाबों को अपशिष्ट व प्रदूषण मुक्त रखने के नियोजित प्रयास करने के निर्देश दिए। यूपी में शुरू हो रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान में मंत्री नोडल अधिकारी लोगों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

16 जुलाई से शुरू होगा घर घर दस्तक अभियान

प्रदेश में 16 जुलाई से घर-घर दस्तक अभियान शुरू होगा और इसमें मेडिकल टीमें घर-घर जाकर संक्रामक रोगों से ग्रस्त मरीजों की पहचान करेंगी। इस टीम में आशा वर्कर के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहेंगे। टीम की मदद से रोगियों को चिन्हित कर उन्हें दवा दी जाएगी और जरूरी होने पर अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। अगर सर्वे के दौरान ऐसे मरीज मिलते हैं तो उनकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा अभियान में कुपोषित बच्चों की जानकारी जुटाने का निर्देश भी दिया गया है। दस्तक अभियान के तहत टीबी के लक्षण वाले मरीजों को खोजकर उनकी जांच कराई जाएगी।

स्वच्छता और फॉगिंग पर दें विशेष जोर

सीएम ने कहा कि इस अभियान को प्रभावी बनाना सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकारी प्रयास के साथ-साथ जनसहभागिता भी महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, पाथ जैसी संस्थाओं का सहयोग लिया जाना चाहिए। इंसेफेलाइटिस नियंत्रण और कोविड प्रबंधन के दो सफल मॉडल प्रदेशवासियों के सामने है, जो संचारी रोग अभियान में भी हमारे लिए महत्वपूर्ण होंगे। सीएम ने स्कूलों में प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने इससे जुड़ी वाद-विवाद, निबंध, पर्यावरणीय स्वच्छता, प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए मलिन बस्तियों में साफ-सफाई, नियमित फॉगिंग, क्लॉरिड वेस्ट प्रबंधन, शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने और क्लोरीन की गोलियां वितरित करने के आदेश दिए।

पल्लवी पटेल की याचिका पर फैसला सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को पराजित कर निर्वाचित सपा विधायक पल्लवी सिंह पटेल की ओर से निर्वाचन आयोग के नोटिस के विरुद्ध दाखिल याचिका पर निर्णय सुरक्षित कर लिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल एवं न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की खंडपीठ ने पल्लवी पटेल के अधिवक्ता सरोज यादव व अपर महाधिवक्ता नीरज त्रिपाठी की बहस सुनने के बाद दिया। एडवोकेट सरोज यादव ने बताया कि सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक रूप से नोटिस के क्षेत्राधिकार को लेकर सवाल उठाया।

सपा विधायक पल्लवी पटेल पर 2022 विधानसभा चुनाव में नामांकन पत्र में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे की जानकारी छिपाने का आरोप है। सिराथू के दिलीप पटेल की इसी शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने मामले में संज्ञान लिया। उसके बाद एसडीएम सिराथू ने पल्लवी को 18 औ 25 मई तथा तीन जून को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा है। याचिका में इसी नोटिस को चुनौती दी गई है। शिकायतकर्ता ने पल्लवी पटेल पर आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने नामांकन पत्र में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों की जानकारी छिपाई और क्षेत्र के मतदाताओं को गुमराह कर अपने पक्ष में वोट हासिल किए। शिकायत में कहा गया है कि पल्लवी और उनके पति के खिलाफ लखनऊ में फर्जी दस्तावेजों के जरिए फ्लैट हड़पने का मुकदमा गोमतीनगर थाने में दर्ज है। इसके अलावा कानपुर में भी पैतृक मकान हड़पने का मुकदमा वहां की अदालत में चल रहा है। पिछले चुनाव में अपने नामांकन फार्म में उन्होंने ये जानकारियां छिपाई हैं।

उत्तराखंड में चुनाव बाद गायब हुईं 41 सियासी पार्टियां

» निर्वाचन आयोग ने जारी किया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में 41 ऐसे राजनीतिक दल हैं, जिन पर चुनाव आयोग जल्द ही शिकंजा कस सकता है। इनमें से कई पार्टियों के ऑफिस तक का ही अता-पता नहीं है। अंतिम तौर पर चुनाव आयोग ने अब इन दलों के नाम अखबारों में सार्वजनिक नोटिस जारी किया है।

उत्तराखंड में ऐसी ही 41 राजनीतिक पार्टियां हैं, जिनकी चुनाव आयोग को तलाश है। आयोग इनसे 2017-18 से लेकर 2021-22 तक पार्टी को मिले फंड, आय-व्यय की ऑडिट रिपोर्ट, चुनावों में किए गए खर्चे की डिटेल मांग रहा है, लेकिन इन पार्टियों का अता-पता नहीं है। आयोग ने स्पीड पोस्ट के जरिये नोटिस

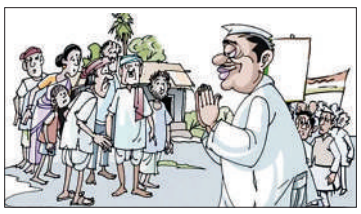

सर्व किए, लेकिन इनमें से अधिकांश स्पीड पोस्ट वापस आ गए। आयोग ने इसके बाद भौतिक सत्यापन कराया तो अधिकांश के एड्रेस फर्जी निकले। ऐसे में आयोग ने अब सार्वजनिक सूचना जारी कर 25 जून तक हर हाल में मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। उत्तराखंड की मुख्य निर्वाचन अधिकारी, सौजन्य का कहना है कि ये अंतिम नोटिस है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव आयोग को पूरा विवरण भेज दिया जाएगा।

आजमगढ़ उपचुनाव में हुआ कांटे का मुकाबला

» परिणाम पर टिकी सभी की निगाहें, 26 को आएगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में मतदान के बाद सपा और भाजपा के बीच मुकाबला दिख रहा है। बसपा ने जिले में यह मुकाबला त्रिकोणात्मक बनाने की कोशिश की थी पर यह हो नहीं पाया। हालांकि बसपा के स्थानीय प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को अपने स्थानीय होने के साथ ही कोविड कॉल में लोगों की मदद को लेकर पूरा भरोसा था पर मतदान के दिन यह लड़ाई सपा के धर्मेन्द्र यादव और भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ के बीच होती दिख रही है।

जहां भाजपा प्रत्याशी को अपनों से नुकसान होने की गुंजाईश ज्यादा दिख रही है वहीं सपा प्रत्याशी ने जिस तरह से कम समय में एक रणनीति के तहत चुनाव लड़ा

वह रणनीति भारी पड़ रही है। भाजपा को यदि लोकसभा चुनाव में नुकसान होता है तो उसकी जिम्मेदारी अपनों की ही होगी। जिले में भले ही भाजपा का संगठन पहले से ही खड़ा है पर आपसी गुटबाजी का शिकार है। जिले के नेताओं में बड़े नेताओं के साथ फोटो खिचाने की होड़ लगी रहती है पर जमीनी स्तर पर यह नेता संगठन को मजबूती नहीं दे पा रहे।

निर्णायक हैं राजभर मतदाता

जिले की पांचो विधानसभा सीटों पर लगभग 10 हजार राजभर मतदाता हैं। विधानसभा चुनाव के समय यह मतदाता सपा के साथ थे। पर इस लोकसभा के उपचुनाव में यह मतदाता निर्णायक साबित होंगे। हालांकि जिले में प्रचार करने आए सुभाषपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को भी विरोध का सामना करना पड़ा। ऐसे में यदि इन राजभर समाज के लोगों का वोट सपा से खिसकता है तो इसका फायदा भाजपा को मिलेगा। एक तरफ जहां सपा के पास मुस्लिम यादव और अन्य पिछड़ी जातियां हैं, वहीं बसपा की तरफ केवल दलित और मुलसमान प्रत्याशी होने के कारण कुछ मुसलमान जुड़े हैं, जबकि भाजपा के पारंपरागत वोट, पिछड़ी जातियां और सवर्ण हैं।

कम मतदान भाजपा को नुकसान

जिले में हुए लोकसभा उपचुनाव में जिस तरह से 48.58 प्रतिशत मतदान हुआ वह भाजपा के लिए नुकसान दायक है। 2019 के लोकसभा चुनाव से 10 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 58 प्रतिशत, 2014 के लोकसभा चुनाव में 56 प्रतिशत ही मतदान हुआ था। ऐसे में जिले में सपा का पलड़ा भारी पड़ता दिख रहा है।

बदायूं में भाजयुमो मंडल उपाध्यक्ष पर वसूली का मुकदमा

» गुंडई के बल पर करते थे वजीरगंज में वसूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बदायूं के कस्बा वजीरगंज में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष विशाल गुप्ता उर्फ मनु समेत चार लोगों के खिलाफ अवैध वसूली, मारपीट व गालीगलौज का मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने यह कार्रवाई एसडीएम बिसौली के निर्देश पर अमल में लाई है। मामले की तहरीर नगर पंचायत से पार्किंग ठेका पा चुके मनोज गुप्ता ने दी थी।

इस कार्रवाई के बाद वसूलीबाज गैंग सहमा हुआ है। कस्बा वजीरगंज निवासी मनोज गुप्ता ने एसडीएम को दी गई शिकायत में बताया कि नगर पंचायत वजीरगंज से उन्हें पार्किंग का ठेका मिला है। जबकि वजीरगंज के ही नन्हें, अर्जुन सिंह, विशाल गुप्ता व हेमेंद्र वहां वाहन चालकों से गुंडई के बल पर वाहन चालकों से वसूली करते हैं। मनोज ने विरोध किया तो उन्हें वहीं पर पीटा गया। इस मामले की शिकायत पहले वजीरगंज थाना पुलिस से की गई लेकिन भाजपा नेता का नाम तहरीर में शामिल होने के कारण पुलिस बैकफुट पर आ गई। क्योंकि पुलिस को भी पता था कि मुकदमा दर्ज किया तो सफेदपोश का आका टिकने नहीं देगा। ऐसे में पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

लल्लू को कांग्रेस ने दिया बड़ा तोहफा

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू समेत चार वरिष्ठ नेताओं को एआईसीसी में मिली जगह

» संगठन में यूपी से बनाए गए विशेष आमंत्रित सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। 2022 चुनाव के बाद प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने के बाद से अजय लल्लू दिल्ली में सक्रिय रहे। 2022 चुनाव को लेकर अजय लल्लू ने कांग्रेस बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर पार्टी कार्यकर्ताओं को जोड़ने का कार्य किया था।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया। स्थाई सदस्य में टी सुभरणनी रेड्डी और कुमारी शैलजा और अभिषेक मनु सिंघवी को सदस्य नियुक्त किया गया है। कांग्रेस पदाधिकारी बताते हैं कि पिछले अध्यक्ष यानी लल्लू बहुत मेहनती है और उन्होंने पहले कई मुश्किलों के बीच अपनी सीट जीती थी लेकिन उनके कार्यकाल के दौरान कैडर को उनका नेतृत्व स्वीकार करने में परेशानी हुई। कैडर के गठन को लेकर बड़े-बड़े दावों के बावजूद नतीजे दिखाते हैं कि जमीन पर कोई भी नहीं था। अगर इन चीजों को बदलना है तो केवल कैडर की तरफ से स्वीकार्य प्रमुख नेता की नहीं बल्कि ऐसे लीडर की जरूरत है जो दूसरों को साथ लेकर चले और फैसले ले सके। बता दें कि अजय कुमार लल्लू कुशीनगर जिले के सेवरही के रहने वाले हैं। उनका जन्म 4 नवंबर 1979 में हुआ था। उनके पिता शिवनाथ प्रसाद थे, जो काफी गरीब थे। किसी तरह से परिवार का पालन पोषण करते थे। अजय कुमार लल्लू ने अभी तक शादी नहीं की है। लल्लू पिछड़ी जाति मधेशिया वैश्य से ताल्लुक रखते हैं। प्रारंभिक शिक्षा के साथ अजय कुमार लल्लू ने 1998-99 ने छात्र संघ महासचिव के रूप में अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत की। इसके बाद 1999-2000 मे छात्र संघ अध्यक्ष के पद पर भी रहे थे। इसके बाद राजनीतिक में उनकी रुझान बढ़ती गई।

कॉलेज राजनीति से पार्टी में सक्रिय हुए थे लल्लू

2001 में किसान पीजी कॉलेज सेवरही से राजनीतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल की और 2001 से 2007 तक एकता परिषद के राज्य समन्वयक के पद पर भी रहे। सेवरही विधान सभा सीट से 2007 में अजय कुमार लल्लू निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े। इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा पर हौसला नहीं टूटा। चुनाव हारने के बाद आजीविका चलाने के लिए मजदूरी करने दिल्ली चले गए लेकिन उन संघर्षों के दिन भी लोगों से हर वक्त संपर्क में रहते थे।

अब तक खाली पड़ी यूपी कांग्रेस अध्यक्ष पद की कुर्सी

अजय कुमार लल्लू के इस्तीफे के बाद से उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद की कुर्सी अभी तक खाली ही है। अब खबर है कि पार्टी यूपी में एक से ज्यादा नेताओं को यूपीसीसी (उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी) की कमान सौंप सकती है। विधान सभा चुनाव में कांग्रेस को महज 2 सीटें ही मिल सकी थी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया यूपी जैसे राज्य के लिए कोई भी एक व्यक्ति अकेले दोबारा तैयार होने की जिम्मेदारी नहीं संभाल सकता इसलिए नई संगठनात्मक व्यवस्था की जाएगी ताकि जिम्मेदारी बंट सके और पदों का क्रम भी बना रहे। यूपी में जातिगत चीजें भी हैं। इसके चलते समय लगा रहा है लेकिन उम्मीद है कि नए संगठन व्यवस्था बनने तक कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हो जाएगा।

लोक सभा चुनाव पर भाजपा की नजर प्रदेश सरकार ने तय किए कई लक्ष्य

» पचास फीसदी आबादी को चुनाव से पूर्व शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की तैयारी

» नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने और व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब प्रदेश की भाजपा सरकार ने लोक सभा चुनाव पर नजरें टिका दी हैं। वह विजन- 2024 में जुट गई है। इसके तहत नगर विकास विभाग ने नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने के लिए 2024 के लक्ष्य तय कर दिए गए हैं। इनमें 50 प्रतिशत शहरी आबादी को शुद्ध पेयजल की सुविधा व 32 प्रतिशत को सीवरेज कनेक्शन देना शामिल है।

उत्तर प्रदेश की करीब 30 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है। शुद्ध पेयजल, सड़क, नाली, सीवर, सफाई, कचरा उठान व निस्तारण, मार्ग प्रकाश व जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाएं नगरीय निकाय ही उपलब्ध कराते हैं। प्रदेश में 734 नगरीय निकाय इन्हें मुहैया कराते हैं। नगर विकास विभाग ने लोक सभा चुनाव के लिए विजन- 2024 तैयार किया है। विभाग इसी विजन पर आगे बढ़ रहा है। 734 नगरीय निकायों में से 679 निकायों में शत-प्रतिशत प्रधानमंत्री आवास 2024 तक उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध हो जाएंगे तो उसका सीधा फायदा लोक सभा चुनाव में भाजपा को मिलेगा। अभी तक सरकार 17.70 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर चुकी है, इसमें से 10.50 लाख आवास पूरे भी हो चुके हैं। प्रदेश में प्रतिदिन करीब 18 हजार टन कचरा निकलता है। इसमें से मात्र पांच हजार टन कचरा यानी करीब 28 प्रतिशत के आस-पास ही कचरे का निस्तारण हो पाता है। विजन-2024 के तहत अब 60 प्रतिशत कचरे का निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा सभी नगरीय निकायों में प्रापर्टी फ्लोर रेट भी तय कर दिए जाएंगे। इससे भी लोगों को काफी आसानी हो जाएगी।

राष्ट्रपति प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू को ताकत देगा यूपी

लखनऊ। राष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशी के रूप में जनजाति वर्ग से आने वाली झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा की है। उनके नामांकन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। इतना ही नहीं इस चुनाव में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका होगी। यहां के विधायकों के मत का सर्वाधिक मूल्य है। इस तरह विपक्षी एकजुटता के बावजूद यूपी से राजग प्रत्याशी को 1,19,084 मत मूल्य की बढ़त मिलना लगभग तय है।

इन पर भी फोकस

- शत प्रतिशत पटरी दुकानदारों को योजना का लाभ।
- मिशन पिंक टायलेट अभियान पूरा करना।
- शत-प्रतिशत ऑनलाइन म्यूटेशन।
- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन लागू कर 3.35 लाख को प्रत्यक्ष रोजगार।
- 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को सिटी बसों में मुफ्त यात्रा।
- 10 स्मार्ट सिटी की विभिन्न परियोजनाएं पूरी करना।
- लीगेसी वेस्ट (पुराने कचरे) का शत-प्रतिशत निस्तारण

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जानलेवा सड़क हादसे और सरकार

उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों और इसमें मरने वालों का आंकड़ा बेहद तेजी से बढ़ रहा है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता है जब बड़े हादसों में लोगों की जानें नहीं जाती हों। बावजूद इसके सरकार इन हादसों को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है। सवाल यह है कि सड़क हादसों में मरने वालों का जिम्मेदार कौन है? क्या तेज रफ्तार और जर्जर सड़कें हादसों का बड़ा कारण हैं? तमाम दावों के बावजूद आज तक प्रदेश की सड़कें दुरुस्त क्यों नहीं हो सकी हैं? सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी असर सरकार पर क्यों नहीं पड़ रहा है? क्या हादसों में होने वाली जन-धन की हानि का सरकारी खजाने पर असर नहीं पड़ता है? क्या ऐसे ही प्रदेश के विकास को रफ्तार दी जा सकती है? यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? क्या सड़क सुरक्षा अभियान बेअसर हो चुका है? आखिर यातायात विभाग क्या कर रहा है?

पिछले कुछ महीनों से उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हर दिन कई लोग हादसों के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि इन हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार जर्जर सड़कें और वाहनों की तेज रफ्तार है। प्रदेश की अधिकांश सड़कें जर्जर और गढ्डायुक्त हैं। तमाम सरकारी दावों के बावजूद हालात सुधरे नहीं हैं। मानक को ताक पर रखकर सड़कें बनायी जा रही हैं। सड़कों पर बनाए गए स्पीड ब्रेकर तक हादसों का कारण बन रहे हैं। दूसरी ओर चालक शहर की सड़कों से लेकर हाईवे तक पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाते फर्राटा भर रहे हैं और इनको रोकने वाला कोई नहीं है। कहने को हाईटेक ट्रैफिक सिस्टम है लेकिन इसका असर शहरों की यातायात व्यवस्था पर नहीं दिखता है। अधिकांश चौराहों पर लोग रेड लाइट जंप करते हैं और ट्रैफिक पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। इसके अलावा मोबाइल पर बात करते हुए और नशे में वाहन चलाने के कारण भी हादसे हो रहे हैं। वहीं यातायात पुलिस साल में कुछ दिन के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती है। हादसों का असर न केवल मृतक के परिवार पर पड़ता है बल्कि सरकार की अर्थव्यवस्था भी इससे प्रभावित होती है। जाहिर है सरकार को हादसों पर नियंत्रण लगाने के लिए जल्द से जल्द गंभीर होना पड़ेगा अन्यथा स्थितियां बदतर हो जाएंगी। सरकार यदि हादसों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे पूरी ईमानदारी से यातायात नियमों का कठोरता से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा। वहीं सड़कों का निर्माण मानकों के मुताबिक गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराना होगा। इसके साथ सड़क सुरक्षा अभियान के जरिए लोगों को सतत जागरूक करना होगा।

उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों और इसमें मरने वालों का आंकड़ा बेहद तेजी से बढ़ रहा है। कोई दिन ऐसा नहीं जाता है जब बड़े हादसों में लोगों की जानें नहीं जाती हों। बावजूद इसके सरकार इन हादसों को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है। सवाल यह है कि सड़क हादसों में मरने वालों का जिम्मेदार कौन है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

परस्पर साझेदारी बढ़ाए ब्रिक्स

सतीश कुमार

ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) का 14वां दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 23 जून को बीजिंग में वर्चुअल माध्यम से शुरू हुआ। इसका विषय 'उच्च गुणवत्ता वाली ब्रिक्स साझेदारी को बढ़ावा देना, वैश्विक विकास के लिए एक नये युग की शुरुआत' है। इससे पहले ब्रिक्स विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) की बैठकें हो चुकी हैं। पांच देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने विचारों का आदान-प्रदान किया और बहुपक्षवाद तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के नये खतरों एवं चुनौतियों का जवाब देने जैसे मुद्दों पर आम सहमति जतायी। एनएसए अजित डोभाल ने बिना किसी भेदभाव के आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय समन्वय की भूमिका को बनाये रखने पर चर्चा हुई। साथ ही समावेशी, प्रतिनिधि और लोकतांत्रिक वैश्विक इंटरनेट शासन प्रणाली का आह्वान किया गया। इससे पहले, विदेशमंत्री एस जयशंकर ने 19 मई को चीनी समकक्ष वांग यी के साथ ब्रिक्स विदेशमंत्रियों की डिजिटल बैठक में भाग लिया था।

ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय राजनीति का एक मजबूत संगठन बन रहा है लेकिन, सच कुछ और भी है। बीस साल पहले ब्रिक्स की सैद्धांतिक पहल अमेरिका जनित आर्थिक ढांचे से हटकर एक वैकल्पिक आर्थिक व्यवस्था बनाने के लिए हुई थी। सोच बेहतर थी लेकिन ढंग से काम नहीं हुआ। वर्ष 2009 से लेकर 2022 के बीच में ब्रिक्स के औचित्य पर ही सवाल खड़ा होने लगा। यह शिखर सम्मेलन कई कारणों से महत्वपूर्ण है। आशंका है कि विस्तार की आड़ में कहीं विघटन न शुरू हो जाये। इसके अनेक कारण हैं। पहला, चीन अपने नक्शे कदम पर ब्रिक्स का विस्तार चाहता है। वह कुछ देशों को ब्रिक्स में शामिल करना चाहता है। इसमें इंडोनेशिया भी है। इंडोनेशिया के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं। चीन नाइजीरिया और सेनेगल को शामिल करने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका की अनुशंसा के बिना इन्हें खेमे में लेना ब्रिक्स के विघटन का कारण बन सकता है। उसी तरह अर्जेंटीना से ब्राजील के संबंध अच्छे नहीं हैं। चीन एक नये खेमे की व्यूह रचना करने की कोशिश में है जो अमेरिकी सांचे में खलल पैदा कर सके। दूसरा, ब्रिक्स का आर्थिक आधार अभी भी बहुत कमजोर है। वहीं इन पांच देशों की आबादी तकरीबन दुनिया की आधी आबादी है। वैश्विक

जीडीपी में 25 प्रतिशत हिस्सा है। फिर भी 15 वर्षों में इसकी धार कुंद हुई है। पच्चीस ट्रिलियन आर्थिक व्यवस्था में करीब 17 ट्रिलियन हिस्सा अकेले चीन का है और 3.5 ट्रिलियन के साथ भारत दूसरे स्थान पर है। शेष तीन देशों की स्थिति बेहद नाजुक है। वैश्विक महामारी में ब्राजील व दक्षिण अफ्रीका काफी पीछे रह गये। चीन की आर्थिक स्थिति उन तीनों देशों से 10 गुना ज्यादा बड़ी है। आर्थिक विकास में तीनों देश सुस्त पड़ गये हैं। आपसी व्यापार मुश्किल से 20 फीसदी है। क्या उम्मीद की जा सकती है कि ब्रिक्स, यूरोपीय समूह या जी-7 की बराबरी कर पायेगा।

तीसरा, यूक्रेन युद्ध ने नयी मुसीबत खड़ी कर दी है। विश्व पुन: दो खंडों में विभाजित हो गया है। पेट्रोलियम और गैस की कीमतों में इजाफा हो रहा है। फरवरी तक अंतराष्ट्रीय बाजार नियंत्रित था लेकिन, युद्ध से स्थिति बदल गयी है। रूस आर्थिक तौर पर कमजोर है, युद्ध ने उसे और जर्जर बना दिया है इसलिए रूस को लेकर चीन ऐसी टीम बनाना चाहता है जो उसे दुनिया का मठाधीश बनाने का स्वप्न पूरा कर सके। इसके लिए वह अमेरिका से ताइवान पर युद्ध के लिए भी आमादा है। चौथा, चीन की विस्तारवादी नीति दुनिया के सामने है। श्रीलंका, पाकिस्तान, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीकी देश चीनी दंश को झेल रहे हैं। भारत और चीन के बीच 2020 से संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। चीन की नजर में सीमा विवाद कोई मसला नहीं है लेकिन, चीन को लेकर भारत सतर्क है। रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारत महाशक्तियों के केंद्र में है। भारतीय कूटनीति के लिए यह अग्निपरीक्षा है। भारत को दुविधा और दबाव में डालने का खेल जारी है। हालांकि, भारत अपने स्टैंड पर कायम है। भारत ने शुरू से साफ कर दिया है कि रूस-यूक्रेन जंग के दौरान उसकी विदेश नीति तटस्थता की है और रहेगी। इसके साथ राष्ट्रीय हितों के अनुरूप भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है। ब्रिक्स सम्मेलन के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी जी-7 की बैठक में शिरकत करेंगे। इसमें ब्रिक्स से बिल्कुल विरोधी टीम होगी इसलिए भारत की नजर एक सम्यक व्यवस्था बनाने की है। न रूस के विरोध में और न ही अमेरिका के गठजोड़ में। एक स्वतंत्र इकाई बनाने की पहल, जिसमें मिडिल पॉवर की विशेष अहमियत होगी।

वायु प्रदूषण की गंभीर चुनौती

अंशुमान कुमार

जीवन के पांच मूल तत्वों- क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा, इनमें से क्या बचा है, जो आज प्रदूषित नहीं है। वायु, जल, मिट्टी सब दूषित हो चुके हैं। पांचों तत्व जीवन के बुनियादी आधार हैं, इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इनमें से किसी एक की कमी भी जीवन की संभावनाओं को खत्म कर देती है। भारत को ये सभी तत्व प्रचुर मात्रा में धरोहर के रूप में प्राप्त थे।

हमारे पास जंगल, जलाशय, नदियां, पहाड़, मिट्टी, उर्वरता सब कुछ था। बेहतर जीवनोपयोगी दशाओं के कारण ही आक्रांता बार-बार इस भूमि पर आते रहे। प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न इस देश में आज सभी संसाधन दूषित होते जा रहे हैं। वायु प्रदूषण की समस्या अतिगंभीर है। हर साल सर्वेक्षण में भारत प्रदूषण के नये कीर्तिमान बना रहा है। हम प्रदूषण के मामले में विश्वगुरु बनते जा रहे हैं। देश की 63 प्रतिशत आबादी ऐसी जगहों में रहती है जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक, निर्धारित स्तर से खराब ही बना रहता है। भारत द्वारा तय मानदंड 40 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तय किया गया है जबकि वैश्विक मानदंड से इसकी तुलना करें तो यह 11 गुना ज्यादा है। विश्व मानक से संभव है कि देश की 80 से 90 प्रतिशत आबादी प्रदूषण की गिरफ्त में हो। 2013 से विश्व के कुल प्रदूषण में 44 प्रतिशत भारत में होता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के सभी देशों में भूटान ही एकमात्र देश है, जिसका कार्बन फुटप्रिंट निगेटिव है यानी, भूटान जितना कार्बन उत्सर्जित करता है, उससे ज्यादा उसकी भरपाई ऑक्सीजन से हो जाती है। हमारे प्रदूषण का बोझ भूटान पर भी है जबकि जीडीपी, आबादी, क्षेत्रफल, क्षमता में वह हमसे बहुत छोटा देश है लेकिन, वे बेहतर ढंग से प्राकृतिक संतुलन बना रहे हैं। हमारी सभ्यता का विकास नदियों के किनारे हुआ है क्योंकि मिट्टी और पानी की उपलब्धता से जीवन आसान होता गया। गंगा का मैदानी भूभाग, जहां बहुतायत आबादी रहती है, रिपोर्ट के मुताबिक, वहां विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से वायु प्रदूषण 21 गुना तक ज्यादा है। अधिक बसावट के कारण यहां आबादी का बड़ा हिस्सा प्रदूषण की जद में है। 2019 में लांसेट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वायु प्रदूषण से भारत में हर साल लगभग 16 लाख मौतें हो रही हैं जो असामयिक मौतों का 17 प्रतिशत है। वायु प्रदूषण के तीन शीर्ष कारणों में पहला, औद्योगिकीकरण है। विकास के लिए यह आवश्यक है लेकिन इसके अनियोजित होने से समस्याएं बढ़ती गयीं। शहर के बीच में बड़ी इंडस्ट्री लगाने जैसी वजहों से वायु दूषित हुई। दूसरा, आर्थिक विकास के नाम पर बड़े-बड़े हाईवे, कॉरिडोर बनाये गये। यह जरूरी भी है लेकिन इसकी एवज में लाखों पेड़ काट दिये गये। पेड़ लगाने का वादा किया गया लेकिन सवाल है कि क्या इससे भरपाई हो पायेगी। तीसरी मुख्य वजह है वाहनों की बढ़ती संख्या।

सन 2000 के बाद से सड़कों पर वाहनों की संख्या चार गुना से ज्यादा बढ़ चुकी है। इससे प्रदूषण गंभीर हुआ है। स्वीडन में नियम है कि अगर आपको जरूरत है तभी गाड़ी लें। वहां एक गाड़ी एक ही जगह अगर तीन दिन से अधिक समय तक खड़ी रहती है तो उस पर पेनाल्टी आ जाती है। वहीं, हमारे देश में कई परिवारों में तो चार से पांच गाड़ियां हैं। प्रदूषकों में पीएम 2.5 की बात तो होती है लेकिन पीएम 10 पर चर्चा नहीं होती। यह कंस्ट्रक्शन, सड़कों के किनारे धूल से होता है। वायु प्रदूषण से जीवन प्रत्याशा में दो से ढाई साल की कमी आयी है। कैंसर सर्जन के तौर पर मैं लोगों से शराब, सिगरेट छोड़ने की अपील करता हूं लेकिन, शर्मनाक है कि प्रदूषण के साथ-साथ इन आदतों ने भी लोगों को जोखिम में डाल दिया है। सिगरेट की वजह से जीवन प्रत्याशा में 1.9 वर्ष, एल्कोहॉल से आठ महीने, जल प्रदूषण से सात महीने, एचआईवी, मलेरिया, डेंगू आदि बीमारियों से तीन से चार महीने तक की कमी आती है। भारत में मौतों का बड़ा कारण सड़क दुर्घटना है, दूसरा हृदय रोग और तीसरा कैंसर है लेकिन, कायदे से पड़ताल करें, तो वायु प्रदूषण टॉप पर पहुंच जायेगा क्योंकि हार्ट अटैक, कैंसर आदि बीमारियों की वजह ही वायु प्रदूषण है। चीन में भी यह समस्या थी लेकिन उन्होंने ठोस कार्ययोजना बनायी और उस पर संजीदगी से अमल किया। साल 2013 से उनका वायु प्रदूषण हर साल कम होता जा रहा है अगर चीन कर सकता है, तो हम क्यों नहीं? सर्दियों की शुरुआत में प्रदूषण बढ़ जाता है। उस समय तापमान तेजी से गिरता है। जो प्रदूषण जमीन से काफी ऊंचाई पर होता है। वह नमी होते ही नीचे आ जाता है। इससे लोगों को प्रदूषण महसूस होने लगता है। पराली और पटाखे इसे और भी गंभीर बना देते हैं। वास्तविकता है कि प्रदूषण हर समय मौजूद होता है। इसका समाधान है कि गंभीरता से इस पर विचार हो।

प्रदूषण पैदा करनेवाली विकास गतिविधियों से बीमारियों के खर्च को घटा दें तो हमारा लाभ बहुत अल्प होता है। दूसरा, यह समस्या एक इंसान या एक पीढ़ी तक ही नहीं है। यह पूरे देश और भविष्य की पीढ़ी के लिए भी समस्याजनक है। हमें न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की चिंता करने की भी जरूरत है। हमें सोचना चाहिए कि भावी पीढ़ी को हम क्या देकर जा रहे हैं। इसमें ऐसे लोग भी प्रभावित हो रहे हैं, जिनका कोई दोष नहीं है। प्रदूषण नियंत्रण हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए क्योंकि यह हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। प्राथमिकता देकर ही हम किसी समस्या का स्थायी निदान कर सकते हैं।

नवजात बच्चों को पीलिया होने पर कब और कैसे करें उपचार

लिवर कमजोर होने पर कई तरह की बीमारियां घेर सकती हैं। पीलिया या जॉन्डिस भी लिवर की एक बीमारी है जिसमें पीड़ित की आंखें और शरीर की त्वचा ढीली पड़ जाती है। ज्यादातर पीलिया नवजात शिशु और छोटे बच्चों में नजर आता है। कुछ बच्चे तो जन्म से ही पीलिया ग्रसित होते हैं। लेकिन इसमें घबराने की कोई बात नहीं होती है, क्योंकि जन्म के एक से दो सप्ताह के भीतर बच्चे खुद- ब-खुद ठीक हो जाते हैं। नवजात बच्चों में पीलिया एक आम बात है। विशेषज्ञ और डॉक्टर्स के अनुसार 20 में से लगभग 16 नवजात बच्चों को ये बीमारी होती है और केवल कुछ बच्चों को ही इसके इलाज की आवश्यकता पड़ती है। पीलिया होते ही शरीर पर साफ दिखाई देना शुरू हो जाता है, इसका पहला लक्षण होता है शरीर में पीलापन चेहरे, छाती, पेट, हाथों व पैर पीले हो जाते हैं और आंखों के अंदर का सफेद भाग भी पीला पड़ने लगता है।

ये होते हैं लक्षण

- बच्चों को उल्टी और दस्त होना।
- सौ डिग्री से ज्यादा बुखार रहना।
- पेशाब का रंग गहरा पीला होना।
- चेहरे और आंखों का रंग पीला पड़ना।

पीलिया का उपचार

बच्चों में पीलिया के लक्षण दिखते हैं आपको बिना देर किए किसी विशेषज्ञ या चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। बच्चों को उचित जांच के बाद ही दवाएं देनी चाहिए। जॉन्डिस की जांच के लिए बच्चे के खून और यूरिन की जांच की जाती है,जिससे जॉन्डिस का पता लगाकर बच्चे का इलाज सही प्रकार से किया जा सके।

पीलिया होने के कारण

पीलिया ज्यादातर अविकसित लिवर के कारण होता है; लिवर खून से बिलीरुबिन को साफ करने का काम करता है, लेकिन जिन बच्चों का लिवर सही प्रकार से विकसित नहीं हो पाता उन्हें बिलीरुबिन को फिल्टर कर पाने में कठिनाई होती है। ऐसे बच्चों के शरीर में बिलीरुबिन की मात्रा बढ़ जाती है और वह पीलिया से ग्रस्त हो जाते हैं। प्रीमेच्योर बच्चे यानी जिन बच्चों का जानू किसी कारणवश समय से पहले हो जाता है, उनमें जॉन्डिस का खतरा सबसे अधिक होता है। छोटे शिशुओं को ठीक प्रकार से स्तनपान न कर पाने और रक्त संबंधी कारणों से पीलिया हो सकता हैं। आमतौर पर पीलिया शिशु को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचाता है, लेकिन शिशु के जन्म के 1 हफ्ते के अंदर पीलिया अगर ठीक नहीं होता है और लंबे समय तक रहता है उसका मतलब होता है बिलीरुबिन का स्तर शरीर में अधिक है तब आपको शिशु को अस्पताल में भर्ती करवाना चाहिए।

घरेलू उपचार

जॉन्डिस में नवजात बच्चों के लिए धूप काफी लाभकारी होती है। छोटे बच्चों में पीलिया होने पर उन्हें दिन में तीन से चार बार स्नछ चम्मच घर में बना गन्ने का जूस दे। गन्ने के जूस से लिवर मजबूत होता है। नवजात शिशु को पीलिया होने पर दूध में कुछ बूंदे व्हीटग्रास के जूस की मिलाकर दे सकते हैं। व्हीटग्रास लिवर से अतिरिक्त बिलीरुबिन को बाहर निकलने में मदद करता है। आपको बच्चे में लक्षण दिखते ही चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए, ताकि बीमारी फैलने से पहले ही रोकी का सके।

हंसना मना है

पत्नी: तुम शराब में बहुत पैसे बरबाद करते हो, अब बंद करो। पप्पू: और तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या पत्नी: वो तो मैं तुम्हें सुंदर लगूं इसलिए... पप्पू: पगली तो मैं भी तो इसलिये पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे। पत्नी बेहोश

पत्नी: मुझे एक कुत्ता खरीदना है। पति: तुम्हें कुत्ता ही क्यों खरीदना है? पत्नी: ताकि तुम्हारे ऑफिस जाने के बाद कोई तो मेरे आगे पीछे दुम हिलाने वाला हो।

एक दिन चिंटू पंडित जी के पास गया। पंडित: तुम्हारी कुंडली में धन ही धन लिखा है। चिंटू: वो तो सब ठीक है पंडित जी लेकिन ये तो बताइए इस धन को बैंक में कैसे ट्रांसफर करूं। पंडित बेहोश!

पंडित जी ने पप्पू का हाथ देखा और बोले- बेटा तुम बहुत पढ़ोगे। पप्पू- पंडित जी मैं तो पढ़ 5 साल से रहा हूं, ये बता दो कि पास कब होऊंगा।

संता: मेरी बीवी इतना मज़ाकिया कि क्या बताऊं। बंता: कैसे? संता: कल मैंने उसकी आंखों पर हाथ रख कर पूछा मैं कौन? तो वो बोली दूध वाला।

लड़की वाले: जी आपका लड़का क्या करता है? लड़के वाल: जी वो पायलट है। लड़की वाले: जी कौन सी एयरलाइन्स में पायलट है? लड़के वाले: जी वो घर की शादियों में ड्रोन उड़ाता है। इसे सुनकर लड़की वालों का सिर चकरा गया।

कहानी — मनहूस कौन?

एक बार महाराज के कानों तक चेलाराम के एक व्यक्ति के बारे में खबर पहुंची। सब लोग बोलते थे कि जो कोई भी चेलाराम का मुंह देख लेता है उसे पूरे दिन एक निवाला तक खाने को नहीं मिलता। वह इंसान पूरे दिन भूखा ही रह जाता था। यह बात परखने के लिए महाराज ने उसे अपने सामने वाले कक्ष में ठहरने के लिए बुलवा लिया। चेलाराम महल में आकर बहुत खुश था। उसे राजसी भोग भोगने में बड़ा ही मजा आ रहा था। एक दिन महाराज की नींद अचानक से खुल गई। उन्होंने अपने कक्ष के बाहर देखा तो उनकी नजर सामने वाले कक्ष में रह रहे चेलाराम पर पड़ गई। जो अपने कक्ष के झरोखे में खड़ा था। संयोगवश उस दिन ऐसी परिस्थिति पैदा हो गई कि महाराज को भी पूरे दिन खाने को भोजन नहीं मिला। महाराज ने गुस्से में सैनिकों को बुलवाकर चेलाराम को अगले दिन फांसी पर लटकाने का हुक्म सुना डाला। वही यह खबर सुनकर बेचारे चेलाराम की तो जैसे सांस ही अटक गई। चेलाराम बहुत परेशान था कि तभी उसके कमरे में तेनालीराम पहुंच गया और बोला अब मैं तुमसे जैसा कहता हूं, तुम वैसा ही करना। चेलाराम ने हां में गर्दन हिला दी। तब तेनालीराम बोला, कल जब तुम अपनी अंतिम इच्छा में पूरी प्रजा के सामने कुछ कहने के लिए बोलना। अगले दिन चेलाराम की अन्तिम इच्छा के अनुसार नगर में सभा बुलाई गई। सब लोगों के सामने आकर चेलाराम बोला, भाईयों मेरा चेहरा देखने से तो लोगों को खाना नसीब नहीं होता लेकिन जो कोई महाराज का मुंह देख लेता हैं उसे तो सीधे मौत मिलती है मौत। चेलाराम की ये बात सुनकर महाराज अचंभित हो गए। उन्होंने तुरंत फांसी रुकवा दी और चेलाराम से पूछा, तुमने ये सब किसके कहने पर बोला। चेलाराम बोला, महाराज तेनालीराम के सिवा ये कौन बता सकता है। मैंने ये सब तेनालीराम के केहने पर बोला था।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आर्थिक दिक्कतें परेशानी का सबब बन सकती हैं। आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा। कोई भी फैसला करने से पहले सावधानी से गौर फरमाएं।

वृषभ

आज खुद को पूरा दिन एनर्जेटिक महसूस करेंगे और इसी एनर्जी के प्रयोग से ऑफिस में कई दिनों से रूका हुआ काम समय पर पूरा कर लेंगे।

मिथुन

मानसिक और नैतिक शिक्षा के साथ शारीरिक शिक्षा भी लें, तभी सर्वांगीण विकास संभव है। एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ दिमाग निवास करता है।

कर्क

किसी मित्र के साथ कहीं घूमने-का प्लान बना सकते हैं। जीवनसाथी से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। बच्चों का होमवर्क पूरा न होने पर उसे डांटे फटकारें नहीं।

सिंह

आज आप अपने चारों तरफ के लोगों के बर्ताव के चलते खीज महसूस करेंगे। गलतफहमी के चलते आपके और आपके प्रिय के बीच थोड़ी दरार पड़ सकती है।

कन्या

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन पल लेकर आयेगा। व्यापारी वर्ग को आज धन लाभ हो सकता है। सिविल इंजीनियर्स स्टूडेंट्स को बड़ी कंपनी से जॉब मिल सकेगी।

तुला

आज आपको आराम करने और गरीबी दोस्तों व परिवार के साथ खुशी के कुछ पल बिताने की जरूरत है। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फंसने से सावधान रहें।

वृश्चिक

आज का दिन यात्रा में बीतेगा. कारोबार के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, यात्रा पर जाते समय जरूरी कागजात ले जाना न भूलें।

धनु

सेहत के नजरिए से यह वक्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। पैसा बना सकते हैं, बशर्ते जमा-पूंजी सही जगह लगाए।

मकर

दिन काफी अच्छा है। आज आपकी काबीलियत को देखकर कई लोग प्रभावित होंगे। घर में रखे पुराने टीवी या फिज को बेचने पर उम्मीद से ज्यादा पैस मिल सकते हैं।

कुम्भ

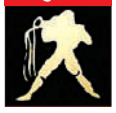

अपने मनमौजी और जिद्दी स्वभाव को काबू में रखें खास तौर पर किसी जलसे या पार्टी में। क्योंकि ऐसा न करने पर वहाँ का माहौल तनावग्रस्त हो सकता है।

मीन

दिन सामान्य रहेगा। परिवार में किसी पार्टी का आयोजन करने से सभी सदस्यों में तारतम्य बना रहेगा। नये काम को शुरू करने से पहले माता-पिता की राय लें।

बॉलीवुड | मन की बात

क्षेत्रीय फिल्में नहीं करना चाहते पंकज त्रिपाठी

मनोरंजन जगत में बीते कुछ समय से भाषा को लेकर विवाद चल रहा है। बॉलीवुड और साउथ सिनेमा में भाषा विवाद को लेकर कई सितारों में अपनी राय रखी है। जहां कुछ सितारे बॉलीवुड और साउथ को एक मान रहे हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं जो अपनी ही भाषा की फिल्मों में काम करना चाहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि वह कभी भी क्षेत्रीय फिल्में नहीं करेंगे, क्योंकि वह उसमें सहज महसूस नहीं करते। दरअसल, पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपनी फिल्म शेरदिल: द पीली भीत सागा के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें किसी ऐसी भाषा में फिल्म या शो में काम करने का विचार पसंद नहीं है, जिसमें वह सजह नहीं हैं। साथ ही वह अपनी आवाज को किसी अन्य अभिनेता द्वारा डब किए जाने के भी पक्ष में नहीं हैं। पंकज त्रिपाठी ने कहा, मुझे ऐसी भाषा में बोलने का विचार पसंद नहीं है, जिसमें मैं किसी भी फिल्म या वेब सीरीज में सहज महसूस नहीं करता हूं। कोई दूसरा मेरे डायलॉग बोले, मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। मेरा अभिनय और भाव मेरी आवाज के पूरक हैं। इनके बिना मेरा अभिनय अधूरा है। जब पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि क्या वह कभी बंगाली फिल्म में काम करेंगे? इस पर उन्होंने कहा, मैं थोड़ी बहुत बंगाली जानता हूं और पूरी तरह से समझता हूं लेकिन ज्यादा नहीं बोल सकता। लेकिन ये एक बंगाली किरदार निभाने के लिए पूरा नहीं है। अगर बंगाली फिल्म में मुझे हिंदी बोलने वाले किरदार की तरह ही लिया जाए, तो उस फिल्म को जरूर करना पसंद करूंगा। पंकज त्रिपाठी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म शेरदिल द पीलीभीत सागा 24 जून को रिलीज हो रही है। यह फिल्म पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म का निर्देशन श्रीजीत मुखर्जी ने किया है।

शमशेरा में अपने हुस्न का जलवा बिखेरेंगी वाणी कपूर

बॉलीवुड | मसाला

वाणी कपूर बहुत कम समय में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बना चुकी हैं। वह जल्द ही फिल्म शमशेरा में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाती नजर आएंगी। यह पहला मौका होगा जब वाणी रणबीर कपूर के साथ काम कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वाणी कपूर अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस पीरियड ड्रामा की रिलीज से पहले आज हम आपको वाणी की पांच फिल्मों का रिपोर्ट कार्ड बताने जा रहे हैं जो सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर बहुत कम समय में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बना चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में वाणी कपूर अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस पीरियड ड्रामा की रिलीज से पहले आज हम आपको वाणी की पांच फिल्मों का रिपोर्ट कार्ड बताने जा रहे हैं जो सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। वाणी का एक्टिंग करियर यशराज फिल्म से ही शुरू हुआ था। साल 2013 में उन्होंने फिल्म शुद्ध देसी रोमांस से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत और परिणीति चोपड़ा मुख्य किरदार में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 46.60 करोड़ का कलेक्शन किया था। साल 2016 में रिलीज हुई इस फिल्म में वाणी रणवीर सिंह के साथ नजर आई थीं। इस फिल्म से आदित्य चोपड़ा ने लंबे समय बाद बतौर निर्देशक वापसी की थी। फिल्म से लोगों को काफी उम्मीदें थीं लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर कुल 60.24 करोड़ की कमाई की, जिसकी वजह से इसे औसत घोषित किया गया। वाणी कपूर के बारे में बताया जाता है कि वे इन दिनों किताबें पढ़ रही है। उन्हें किताबें पढ़ना बहुत पसंद है। कोरोना काल में उन्होंने कई किताबें खरीदी थी। यही नहीं, उन्होंने लिखना भी स्टार्ट किया था। मगर अब वे सिर्फ किताबें पढ़ती है और अपनी एक्टिंग के लिए जानी जाती है।

खतरनाक स्टंट करते हुए शिवांगी जोशी को आई चोटें

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

ये रिश्ता क्या कहलाता है और बालिका वधू जैसे टीवी शोज से फेमस हुई एक्ट्रेस शिवांगी जोशी आजकल साउथ अफ्रीका के शहर केप टाउन में अपने पहले रियलिटी शो ख़तरों के खिलाड़ी 12 की शूटिंग कर रही हैं. आजतक की टीम ने केप टाउन में इस रियलिटी शो के सेट पर शिवांगी जोशी से खास मुलाकात की। इस दौरान शिवांगी ने खतरों से भरे इस रोमांचक शो से जुड़ने के दुख, दर्द और खुशियों के बारे में खास बातचीत की। अपने सीरियल्स में ट्रेडिशनल लुक में दिखने वाली शिवांगी जोशी, इस शो में मॉडर्न लुक में स्टंट्स करती नजर आएंगी और साथ ही आंसू बहाती भी दिखेंगी। खतरों के खिलाड़ी शो में शिवांगी के आंसू उनके सीरीयल्स के आंसू से बहुत अलग हैं, क्योंकि रियलिटी शो में सबकुछ असली है यानी इस बार ख़तरों से भरे शो में उनके असली आंसू बहते नजर आएंगे। खतरों के खिलाड़ी 12 के बारे में शिवांगी का कहना है- ये शो मेरे सभी शोज से बहुत अलग है और मैं वो सब चीजें कर रही हूं, जो मैंने कभी जिंदगी में नहीं की हैं और करूंगी भी नहीं। सभी कंटेस्टेंट्स बहुत स्ट्रॉन्ग हैं और ख़तरनाक स्टंट्स करते हुए बहुत हिम्मत जुटानी पड़ती है। मेरे साथ बाकी और 11 लोग भी अपनी हद पार करके अपने डर को काबू कर रहे हैं. चोटें हम सब को लगी हैं और कहां-कहां लगी हैं ये तो हम बता भी नहीं सकते। शिवांगी ने कहा- गिने चुने कंटेस्टेंट्स ही होंगे, जिन्हें कुछ नहीं हुआ है।

अजब-गजब | एक करोड़ में क्यों कम है एक मूर्ति

इस मंदिर की 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियों का क्या है रहस्य

भारत में कई रहस्यमयी मंदिर हैं जिनके रहस्य से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है। एक ऐसा मंदिर है जहां पर कुल 99 लाख 99 हजार 999 पत्थर की मूर्तियां हैं। इस मंदिर के रहस्य को कई विद्वानों ने सुलझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। इस मंदिर की 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियां रहस्य है। इन पत्थर की मूर्तियों को किसने बनाया। कब और क्यों बनाई गईं ये मूर्तियां। सबसे बड़ा रहस्य यह है कि आखिर एक करोड़ में एक ही मूर्ति कम क्यों बनाई गई है। इन मूर्तियों को लेकर कई कहानियां बताई जाती हैं। भारत में कई मंदिर और मूर्तियां हैं जो बेहद रहस्यमयी हैं। इन्हीं मंदिरों और मूर्तियों में यह भी शामिल है। इस मंदिर के बारे में यहां आने वाले श्रद्धालुओं के मन में इसका रहस्य जानने की जिज्ञासा रहती है। इन मूर्तियों के रहस्य को अभी तक कोई नहीं सुलझा पाया है। आईए जानते हैं इस रहस्यमयी मंदिर के बारे में...

इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि एक बार भगवान शिव एक करोड़ देवी-देवताओं के साथ कहीं पर जा रहे थे। सभी देवी-देवता सो गए। सुबह जब भगवान शिव उठे, तो सभी देवी देवता अभी सो ही रहे थे। शिव जी ने क्रोधित होकर श्राप दे दिया और सभी देवी-देवता पत्थर के बन गए। 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियों की यही वजह है। इन मूर्तियों को लेकर एक और कहानी प्रचलित है। बताया जाता है कि कालू नाम का एक शिल्पकार था। वह चाहता था कि भगवान शंकर और माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत जाए। लेकिन यह नामुमकिन था। शिल्पकार की जिद की वजह से भगवान शंकर ने कहा कि अगर तुमने एक रात में एक करोड़ देवी-देवताओं की मूर्तियां बना दी, तो तुमको साथ लेकर चलेंगे। इसके बाद शिल्पकार पूरी रात तेजी से मूर्तियां बनाई, लेकिन एक करोड़ में एक मूर्ति कम रह गई। इसकी वजह भगवान शिव शिल्पकार को अपने साथ लेकर नहीं गए। कहा जाता है कि इस वजह से इस स्थान का नाम 'उनाकोटी' है। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से उनाकोटी मंदिर करीब 145 किलोमीटर दूर स्थित है। यह मंदिर भारत के सबसे बड़े रहस्यमयी मंदिरों में शामिल है।

वो देश जहां बकरे को बनाया जाता है राजा, हसीन लड़की बनती है रानी!

दुनिया में कई तरह के त्यौहार मनाए जाते हैं। भारत में ही असंख्य त्यौहारों की लिस्ट है लेकिन एक बात सभी में कॉमन होती है। ये त्यौहार किसी खास कारण से मनाए जाते हैं। इसके पीछे कोई कहानी छिपी होती है। आज हम आपको आयरलैंड में मनाए जाने वाले एक त्यौहार के बारे में बताने जा रहे हैं। इस त्यौहार के दौरान शहर की बागडोर एक बकरे के हाथ में सौंप दी जाती है। जी हां, बकरा वहां का राजा बन जाता है। साथ ही बकरे में बगल की गद्दी में रानी के तौर पर गांव की सबसे हसीन लड़की का चुनाव किया जाता है। आयरलैंड में हर साल जुलाई के आखिरी से अगस्त के पहले हफ्ते के बीच इस त्यौहार को मनाया जाता है। इसका नाम है प्लक फेयर। इस मेले को कुल तीन दिन के लिए लगाया जाता है। इसकी सबसे खास बात है बकरे को राजा बनाया जाना। जी हां, मेले में एक बकरे को राजगद्दी सौंप दी जाती है। उसे बाकायदा मुकुट पहनाया जाता है। इसे गोट परेड के नाम से भी जाना जाता है। त्यौहार का हिस्सा बनने हर साल लाखों टूरिस्ट्स यहां आते हैं। बकरे के राजा बनने की बात दुनिया के अन्य लोगों को अचंभित कर देती है। इस मेले को आयरलैंड के सबसे पुराने त्यौहार के तौर पर जाना जाता है। इसके पहाड़ से एक जंगली माउंटेन गोट को लाया जाट है। इसके बाद उसे किंग पक के तौर पर उपाधि देकर उसका राजतिलक होता है। राजा बनाए जाने के बाद नए महाराज की झांकी निकलती है, जिसमें उसके साथ महारानी भी शामिल होती है। महारानी के तौर पर लोकल लड़की को चुना जाता है। यहां रहने वाले लोग इस त्यौहार को खूब एन्जॉय करते हैं। बकरा सिर्फ त्यौहार के दौरान ही राजा बना रहता है। यानी उसका शासन काल सिर्फ तीन दिन का होता है। सी दौरान उसे कई तरह की सुविधाएं दी जाती है। इसे महंगे पेड़ की टहनियां खिलाई जाती है। खाने में पत्तागोभी दी जाती है। और पानी की सुविधा हमेशा के लिए होती है। तीन दिन बाद उसे सत्ता से बेदखल कर वापस पहाड़ियों में भेज दिया जाता है। ये त्यौहार क्यों मनाया जाता है इसका कोई क्लियर आंसर नहीं है लेकिन इसे 17वीं शताब्दी से मनाया जा रहा है। दूर दूर से लोग इसका इससे बनने के लिए आते हैं।

संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही भाजपा : अखिलेश यादव

आजमगढ़ और रामपुर में हुए लोक सभा उपचुनाव में किया सत्ता का दुरुपयोग

» महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है जनता, दारोगा भर्ती में भी हुआ घोटाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने आजमगढ़ और रामपुर के लोक सभा उपचुनावों में सत्ता का दुरूपयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मतदान को प्रभावित करने के लिए तमाम तरह के अवरोध खड़े किए गए। स्थानीय पुलिस से पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कराया गया तथा भाजपा के पक्ष में मतदान कराने के लिए उन पर दबाव डाला गया। भाजपा द्वारा सभी संवैधानिक संस्थाओं को सुनियोजित तरीके से कमजोर करने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग से की गई शिकायतों के बावजूद भी निर्वाचन मशीनरी कई मतदान केन्द्रों पर मूकदर्शक बनी रही। फिर भी मतदाताओं ने भाजपा को हराने का काम किया है। सत्तारूढ़ दल को लाभ पहुंचाने के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को ताक पर रख दिया गया। मतदाताओं को निर्भयता के साथ मतदान नहीं करने दिया गया। प्रदेश में भाजपा के प्रति जनता में हर ओर विरोध की लहर चल रही है। भाजपा के झूठे वादों और विपक्ष के प्रति अपमानजनक रवैये से लोग त्रस्त हैं। महंगाई, और बेरोजगारी से लोग परेशान हैं। सभी ने भाजपा को करारा सबक सिखाने के लिए मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि हाल में 12 जून को दारोगा भर्ती का रिजल्ट जारी किया तब फिर उसमें घोटाला कर दिया गया। कई अभ्यर्थी ऐसे हैं जो सामान्य वर्ग और अतिपिछड़ा वर्ग से आते हैं। उनको सरकार ने किसी को अनुसूचित जाति और किसी को अनुसूचित जनजाति का बना दिया।

उन्होंने कहा कि दारोगा भर्ती नियमावली में लिखा है कि अन्य राज्य का अभ्यर्थी सामान्य वर्ग में ही गिना जाएगा लेकिन रिजल्ट में उनको अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का आरक्षण दे दिया गया। कई अभ्यर्थी ऐसे हैं जो डीए/पीएसटी में फेल हैं, उनका भी फाइनल रिजल्ट में नाम है। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की 2021 की दारोगा भर्ती प्रक्रिया की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच एसआईटी से कराकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने और दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग की है।

ट्रेन की चपेट में आने से वायु सैनिक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आत्महत्या की आशंका पुलिस कर रही जांच

इटावा। प्रदेश के इटावा में दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में एक वायु सैनिक की राजधानी एक्सप्रेस से कट कर मौत हो गई। वायु सैनिक की मौत को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्होंने आत्महत्या की है। हालांकि पुलिस इस बात की तस्दीक नहीं कर रही है।

हादसे का शिकार हुए वायु सैनिक की एयर फोर्स स्टेशन पुणे में तैनाती थी। उनके पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान 26 वर्षीय रजत कुमार मिश्रा के रूप में हुई है जो कानपुर स्थित शास्त्री नगर के रहने वाले थे। रजत कुमार के पास से एक नीले रंग का बैग भी मिला है। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक इस शख्स को एक खंबे के पास में खड़ा देखा गया था। जब राजधानी एक्सप्रेस पास आ गई तो एकाएक यह शख्स रेलगाड़ी के सामने आ गया, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

लोको पायलट की हार्ट अटैक से मौत, आधे घंटे खड़ी रही ट्रेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रतापगढ़ जंक्शन से कानपुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में लोको पायलट की आज सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई। इससे करीब आधे घंटे ट्रेन खड़ी रही। इसके बाद अन्य पायलट की व्यवस्था कर रेलवे ने ट्रेन को आगे रवाना किया।

प्रतापगढ़ जंक्शन से आज सुबह इंटरसिटी एक्सप्रेस कानपुर जा रही थी। ट्रेन के पायलट 55 वर्षीय गिरीश चंद शर्मा थे। गिरीश चंद्र सुबह छह बजे प्रतापगढ़ से कानपुर ट्रेन ले जाते समय कासिमपुर हाल्ट पर पहुंचे। वहां इंजन की पाइप ठीक करने के लिए नीचे उतरे। उसी समय किसी का फोन आया। वह बात करने लगे कि इसी बीच वह अचेत होकर गिर पड़े। यह देख वहां अफरा-तफरी मच गई। कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। एंबुलेंस पहुंची। उनको फुरसतगंज अस्पताल ले जाया गया। वहां पर उनको मृत घोषित कर दिया गया। इस दौरान आधे घंटे ट्रेन वहीं खड़ी रही।

देवरिया : किशोर की गला रेतकर हत्या, सनसनी

» कारणों का नहीं चला पता, पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। जिले में नगर पंचायत लार के बाजार वार्ड निवासी एक किशोर की गला रेतकर हत्या कर दी गयी। उसका शव आज सुबह पुलिस ने सुतावर-चौमुखा मार्ग से बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

17 वर्षीय रहमान गुरुवार शाम को बाइक लेकर घर से निकला था। उसने स्वजनों से बताया कि अभी आ रहा हूं। कुछ ही देर में उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। स्वजन रात भर उसके इंतजार में परेशान रहे। सुबह कुछ लोगों ने उसकी गला कटी लाश सुतावर-चौमुखा मार्ग पर देखी तो पुलिस को सूचना दी। पहले तो उसकी पहचान नहीं हो सकी लेकिन सोशल मीडिया पर शव की फोटो देखते ही लार कस्बा के लोगों ने उसे पहचान लिया। रहमान की हत्या की वजह और हत्याओं की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। रहमान आठ बजे रात में बाइक लेकर घर से निकला था। उसने लार पेट्रोल पंप पर तेल भी भरवाया है, जिसकी फुटेज सीसीटीवी में देखी गई है। उसका शव लार के सुतावर से चमुखा जाने वाले रोड पर मिला। उसकी बाइक मईल थाना क्षेत्र में मिला है। ऐसे में आशंका व्यक्त की जा रही कि हत्या मईल थाना क्षेत्र में करके शव को सुतावर-चौमुखा मार्ग पर फेंक दिया गया।

सब्जी विक्रेता को मारी गोली

बड़हलगंज। कोतवाली क्षेत्र के मुहालजलकर खैरवा गांव के पास बदमाशों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। थाना क्षेत्र के शनिचरा निवासी 54 वर्षीय राजेंद्र दुबे गांव में सब्जी की दुकान चलाते हैं। आज सुबह सवा नौ बजे वे बड़हलगंज सब्जी मंडी से सब्जी लेकर गांव जा रहे थे। अभी वे मुहालजलकर खैरवा गांव के पास पहुंचे थे कि बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गोली उनके सीने में लगकर आरपार हो गई जिससे मौके पर उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद कछार क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। हत्याकांड के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है।

शराब पार्टी में हुआ विवाद बेटे ने पिता को छत से फेंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, दो हिरासत में

प्रयागराज। कौशांबी के पिपरी थाना क्षेत्र के मखऊपुर गांव में गुरुवार की रात बाप बेटे और पड़ोसी के बीच चल रही शराब पार्टी में हुए विवाद के दौरान बेटे ने पड़ोसी युवक के साथ मिलकर पिता को छत से नीचे फेंक दिया जिसमें वह घायल हो गया। उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कौशांबी में पिपरी थाना क्षेत्र के मखऊपुर गांव निवासी मूलचंद पुत्र स्वर्गीय राम दुलारे मजदूरी करके स्वजनों का भरण-पोषण करता है। उसका बेटा अजय भी मजदूरी करता है। मूलचंद के परिवार के सदस्यों के मुताबिक गुरुवार की रात मूलचंद और अजय के साथ पड़ोसी मखंजू साथ बैठे थे। मछली और शराब की पार्टी चल रही थी। शराब पार्टी के दौरान ही मूलचंद और उसके बेटे अजय में किसी बात को लेकर विवाद होने लगा। वे आपस में गाली-गलौच करने लगे। इस बीच पिता मूलचंद छत पर चढ़ कर बेटे को गाली देने लगा। इससे अजय आक्रोशित हो गया और छत पर पहुंच गया। आरोप है कि अजय ने पड़ोसी के साथ मिलकर अपने पिता मूलचंद की पिटाई करने के बाद छत से नीचे फेंक दिया। इससे मूलचंद गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी दोनों युवकों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

तो उद्धव ठाकरे नहीं संभाल पाए अपना घर!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र का सियासी पारा गर्म है। ईडी ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री अनिल परब और अन्य के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत नया मामला दर्ज करने के बाद मई में उनके और उनसे कथित रूप से जुड़े लोगों के परिसरों पर छापा मारा था। हालांकि, शिवसेना नेता ने किसी भी तरह की गड़बड़ी करने से इनकार किया है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि महाराष्ट्र में तख्ता पलट की योजना का सूत्राधार क्या ईडी है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार समीरात्मज मिश्रा, रंजीव, परंजॉय गुहा ठाकुरता, रजत शुक्ला, चिंतक सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

रजत शुक्ला ने कहा, गठबंधन किससे किया, चुनाव किससे लड़ा और जब सरकार बनाने का समय आया तो किसी और के साथ सरकार बना ली। ऐसे में पब्लिक में गुस्सा था। ढाई साल से नेता भी गुस्से में थे। ये गुब्बार अब फूटा है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

रंजीव ने कहा, घटनाक्रम लगातार बढ़ता जा रहा है। मुंबई वाया सूरत, फिर गुवाहाटी और अब शिंदे के दावे, और विधायकों की संख्या बढ़ रही है शिंदे के समर्थन में। सरकार रहेगी या नहीं, जल्द पर्दा उठेगा। क्या बड़ी वजह है जो विधायकों ने बगावत की। लोकतंत्र के लिए ऐसी राजनीति ठीक नहीं है। सीपी राय ने शेर अर्ज कर शुरूआत की, दीवार क्या गिरी मेरे कच्चे मकान की, लोगों ने मेरे शहद में रस्ते बना लिए, यही स्थिति है महाराष्ट्र की। हालांकि उद्धव ने भावुक भाषण दिया। मुख्यमंत्री आवास भी छोड़ दिया। उद्धव ने अपने लड़के को मंत्री पद दिया। बाला साहब ठाकरे के लोगों को तवज्जो न देना, संवाद न करना, यह गलती है। उद्धव अपना घर संभाल नहीं पाए तो आत्ममंथन करें। समीरात्मज मिश्र ने कहा ईडी का क्या रोल है, ये अभी मैं नहीं कह सकता पर महाराष्ट्र में बीजेपी पूरे फॉर्म में है। बीजेपी को इस बात की कसक है कि शिवसेना वहां सरकार में है और उसकी सबसे बड़ी प्रतिद्वंदी कांग्रेस सरकार में है। गुहा ने कहा, शिवसेना जिसे बालासाहेब ठाकरे ने स्थापित किया और उनका बेटा कैसा, एक ही विचारधारा के, तो बहुत सारे सवाल है। आज आपकी पार्टी तोड़ दी गयी, सरकार की क्या हालत होगी, ये सब जानते हैं। मुख्यमंत्री का घर उद्धव ने छोड़ दिया इससे साफ है वे मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। फिलहाल सरकार अब ज्यादा दिन नहीं चलेगी।

राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू का नामांकन, पीएम मोदी बने प्रस्तावक, लखनऊ में अखिलेश हुए सक्रिय

» द्रौपदी के नामांकन के दौरान एनडीए की नजर आई एकजुटता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने आज नामांकन कर दिया है। वह एनडीए की उम्मीदवार है। इस दौरान पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह समेत बीजेपी के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। द्रौपदी मुर्मू के नामांकन में पीएम मोदी प्रस्तावक और राजनाथ सिंह अनुमोदक बने हैं। द्रोपदी मुर्मू के नामांकन के दौरान एनडीए की एकजुटता भी नजर आई। इसके अलावा बीजेपी शासित प्रदेशों के सीएम भी मुर्मू के नामांकन में पहुंचे। इस दौरान जदयू, बीजद के नेता भी शामिल हुए।

बीजद प्रमुख नवीन पटनायक और आंध्र के सीएम जगन मोहन रेड्डी द्रौपदी के समर्थन देने का ऐलान कर चुके हैं। द्रौपदी ने 4 सेट का नामांकन भरा। पहले सेट में पीएम मोदी प्रस्तावक और राजनाथ सिंह अनुमोदक हैं। इस सेट में बीजेपी संसदीय बोर्ड के सदस्य, केंद्रीय मंत्री और राज्य मंत्री हैं। इस सेट में अभी तक 60 प्रस्तावक का नाम है और 60 अनुमोदक का यानी इस तरह हर सेट में 120 नाम हैं। दूसरे सेट में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रस्तावक हैं। इसमें भी प्रस्तावक के तौर पर 60 नाम हैं और 60 अनुमोदक हैं। इस सेट में योगी, हिमंता बिस्वा सरमा के अलावा बीजेपी शासित सभी एनडीए के मुख्यमंत्री प्रस्तावक हैं। तीसरा सेट हिमाचल और हरियाणा के विधायकों का है। वे ही प्रस्तावक और अनुमोदक हैं। चौथा सेट गुजरात के विधायकों का है। वे ही प्रस्तावक है और अनुमोदक हैं। बीजू जनता दल और वाईएसआर ने भी सेटों पर हस्ताक्षर किए हैं। 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव है। एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाया है जबकि विपक्ष की ओर से यशवंत सिन्हा चुनाव मैदान में हैं। द्रौपदी झारखंड की पहली महिला राज्यपाल भी रह चुकी हैं। 18 मई 2015 से 12 जुलाई 2021 तक झारखंड के राज्यपाल पद पर रहीं।

सपा प्रमुख ले रहे बैठक, यशवंत सिन्हा के समर्थन में लगी मुहर

एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने जहां दिल्ली में नामांकन किया। वहीं लखनऊ में सपा मुखिया अखिलेश यादव बैठक ले रहे हैं। बताया जा रहा है उन्होंने यशवंत सिन्हा पर मुहर लगा दी है। कांग्रेस और सहयोगी दलों के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत पर सपा के सभी सांसद-विधायक समर्थन देने के लिए तैयार हैं। सपा कार्यालय में सपा सांसद-विधायकों ने सहमति प्रस्ताव पर सिग्नेचर किए। सपा के पास 111 विधायक हैं, जबकि गठबंधन में शामिल आरएलडी के आठ और सुभासपा के छह विधायक हैं। इस तरह सपा गठबंधन में कुल 125 विधायक हैं। 3-3 लोकसभा और राज्यसभा सांसद भी मौजूद रहे। शिवपाल सिंह यादव बैठक में शामिल नहीं हुए। आजम खान भी नहीं पहुंचे। बीते दिनों अखिलेश ने अयोध्या में ऐलान किया था कि ममता बनर्जी जिस उम्मीदवार को राष्ट्रपति पद के लिए उतारेंगी हम उसका पूरा समर्थन करेंगे।

बीजेपी सांसद वरूण गांधी बोले, राष्ट्ररक्षकों को पेंशन नहीं तो जनप्रतिनिधियों को क्यों मिले

» कहा, अग्निवीरों के लिए पेंशन छोड़ें नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी ने ट्वीट कर अग्निवीरों के मामले पर अब सभी जनप्रतिनिधियों को कटघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि, अल्पअवधि की सेवा के बाद जब राष्ट्ररक्षकों को पेंशन की सुविधा नहीं है तो हम प्रतिनिधियों को पेंशन की सहूलियत क्यों? इससे पहले भी वरुण केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना को लेकर सवाल खड़े कर चुके हैं।

वरुण गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि राष्ट्ररक्षकों को पेंशन का अधिकार नहीं है तो मैं भी खुद की पेंशन छोड़ने को तैयार हूं। वरुण गांधी ने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि हम सब अपनी पेंशन छोड़ें ताकि अग्निवीरों को पेंशन मिले। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं जब बीजेपी सांसद वरुण गांधी अपने ही सरकार की नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोला हो। इससे पहले सांसद अग्निपथ स्किम का विरोध करने वाले छात्रों के समर्थन में खड़े नजर आए थे। सांसद वरूण गांधी ने कहा था कि सरकार मुकदमे की धमकी से डरा रही है, इससे बातचीत के रास्ते बंद होंगे। ट्वीट कर लिखा था कि कभी मुकदमे तो कभी एफआईआर न देने की धमकी देकर हम ही संवाद के रास्ते बंद कर रहे है। कोई नई योजना लागू करने से पहले रिक्त पड़े लाखों पदों को भरने का ब्लूप्रिंट छात्रों से साझा करे सरकार। यही वक्त की सबसे बड़ी मांग है। कृषि कानून, बेरोजगारी जैसे तमाम जनता से जुड़े मुद्दे पर वरुण गांधी सरकार को कटघरे में खड़ा करते आ रहे हैं।

निकाय चुनाव में पूरी ताकत से उतरने की तैयारी में आप

» यूपी में संगठन मजबूत करने के लिए आम आदमी पार्टी की तीन दिवसीय बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) यूपी में संगठन को मजबूती देने के लिए तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन करने जा रही है। यूपी में इस वर्ष के अंत में होने वाले नगर-निकाय चुनाव में पार्टी पूरी ताकत के साथ उतरने की तैयारी कर रही है।

यूपी चुनाव में मिली हार से सबक लेकर और आगे मजबूती से मुकाबला करने के लिए पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दे रही है। प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आज पार्टी के पंचायत प्रकोष्ठ की बैठक है। इसमें प्रकोष्ठ अपनी समस्या बताएंगे। वहीं शनिवार को यूथ विंग की और रविवार को स्टूडेंट वर्किंग की बैठक होगी। पंचायत प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनय पटेल, यूथ विंग के अध्यक्ष पंकज अवाना और स्टूडेंट विंग छात्र-युवा संघर्ष समिति के अध्यक्ष वंशराज दुबे के नेतृत्व में अलग-अलग बैठक आयोजित की जाएगी। संगठन को विस्तार देने के लिए नए पदाधिकारी चुने जाएंगे और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की रणनीति तैयार की जाएगी।

मुझे ही बना दें महाराष्ट्र का सीएम : बृजभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कैसरगंज से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। राहुल गांधी की मानसिकता है कि वो खुद को इस देश का समझते हैं और इस देश की संवैधानिकता तक को चैलेंज कर रहे हैं। जिस तरीके से ईडी ने उनको पूछताछ के लिए बुलाया था और उनके समर्थक सड़कों पर उतर आए। वो दश के संविधान को चैलेंज कर रहे हैं। उनको यह नहीं पता था कि एक दिन उनको ईडी बुलाएगी और उनको जाना पड़ेगा। बीजेपी सांसद ने अग्निपथ योजना की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छी योजना है। ऐसी मिलती-जुलती योजना इजराइल और रूस में चल रही है। फर्क इतना है कि यहां पर ट्रेनिंग के बाद पैसा देना पड़ता है, लेकिन वहां पर ट्रेनिंग के दौरान पैसा नहीं मिलता है। हर नागरिक को ट्रेनिंग लेना अनिवार्य है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ है अग्निपथ, सरकार वापस ले योजना

» लखनऊ सहित वेस्ट यूपी में भाकियू का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में वेस्ट यूपी सहित लखनऊ में भी प्रदर्शन किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन ने अग्निपथ योजना के विरोध में मेरठ में धरना दिया तो वहीं लखनऊ में योजना रद्द करने की मांग को लेकर डीएम ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया। भाकियू नेताओं ने ऐलान करते हुए कहा कि योजना वापस होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा, क्योंकि यहां युवाओं और देश के भविष्य का सवाल है, इसलिए सरकार को इस योजना को तत्काल वापस लेना चाहिए।

कलक्ट्रेट परिसर में बड़ी संख्या में पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार को जमकर कोसा। भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सतीश इलम सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार अग्निपथ योजना के नाम पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। ऐसा करने से युवा कहीं का भी नहीं रहेगा। भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने मांग करते हुए कहा कि अगर सरकार सरकारी नौकरी वालों की पेंशन समाप्त कर रही है तो सांसद और विधायकों की पेंशन भी समाप्त होनी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।